नयना का बच्चा उसके बीस की उम्र पार हो जाने के बाद हुआ था। बीस की उम्र तक इंतज़ार करने का नयना और उसके पति को यह फायदा हुआ कि नयना शरीर और दिमाग से माँ बनने के लिए तैयार हो पायी। इसी बीच उसे आस-पड़ोस की महिलाओं से भी काफी कुछ जानने समझने को मिला। वह समझदार हो चुकी थी। गर्भावस्था के दौरान वह अपना पूरा ख्याल रख पायी। इसलिए डिलीवरी की घड़ी में वह बिल्कुल नहीं घबराई। उसकी डिलीवरी अच्छे से हुई और कोई मुश्किल नहीं आई। नयना ने एक स्वस्थ शिशु को जन्म दिया। नयना और उसके पति अपने इस नन्हे मेहमान के साथ बहुत खुश थे। उसके सास-ससुर भी स्वस्थ बच्चे के जन्म से बहुत खुश थे।

प्र: डिलीवरी के वक्त परेशानियाँ कम हों इसके लिए नयना ने क्या कदम उठाए?

20 के बाद ही खुशखबरी शादी

RKSK Rashtriya Kishor Swasthya Karyakram राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम

सत्यमेव जयते

NATIONAL HEALTH MISSION राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन